

दिनांक 23/7/18
सी बावेगी। ३

3/7/18 श्रीमान P0 साधु राजभद्र खेवापर दोडेडे
दण्ड नं. 1. 23/7/18
निवागधीन राजसूय पुः 23/7/18
दण्ड दिनांक 17/9/18
सी बावेगी। ३

17/9/18 वकील के कार्य कठिनाई होने के कारण पत्रावली
पुरिवादीगण को कार्यालय ले नोटिस जारी होकर
दिनांक 21/11/18 को पेश हो।

अखण्ड अधिकारी
दोहरी

21-11-18 वकील साफल उपस्थित और साफल को कार्यालय
से नोटिस जारी होकर पत्रावली दिनांक
18-1-19 को पेश हो।

अखण्ड अधिकारी
दोहरी

18-1-19 वकील साफल उपस्थित और साफल और
ले पत्रोका साफल उपस्थित नवाव शर्मा
पत्र पेश नहीं करना चाहते हैं नवाव शर्मा
कन्वैन्स गण्य कहते शर्मा पत्र उक्तपक्ष
सुनी गई। पत्रावली का आवेदन किया गया
शर्मा साफल का नाम समावची सं 2068-71
में गिरधारी के स्थान पर गिलहारी दर्ज हो
गया है। जबकि किशोरी मृतक के विरासत
गाम्ना सं 1070 में साफल का नाम गिरधारी
अंकित है। उक्त नाम में भी रंजी के स्थान
पर शिला का नाम रंजी दर्ज हुआ है। जो
लिपिकीय गलत है और इतना स्पष्ट

5/11

2045-42
22-11-18

गिरधारी
512-12
10-5-18

फर्द अहकाम

तारीख हुकम हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

तारीख हुकम

जानि घोष है। अतः शर्तक पत्र सापल
 विक्रम केर सापल स्वीकार किया जावा
 है। विवादित आरजीमात खुदरा नम्बर
 1087, 1148, 1081, 1077, 1085 वके ग्राम
 मकनपुर तहसील करौली में प्राचीन काल
 गिलहरी के स्थान पर गिरधारी एवं
 विरासत नामा लेख्या 1070 में मूरक
 किशोरी के सापल के पिरा का नाम
 रंगू के स्थान पर रंगी दुकस्त किये
 जाने के आदेश दिये जाते हैं। अपाकी
 तहसीलकर करौली आदेशानुसार
 सापल के एक के राजस्व रिकार्ड में
 दुकस्त क इन्द्राज अमल करे तहसीलकर
 करौली को निर्णय की प्रमाणित प्रति
 पालनार्थ मिजवाई जोषा प्रसावली
 फंसल भुमा लोकर नम्बर से कम
 होकर दारिकल दफतर हो।

उपखण्ड मजिस्ट्रेट
 करौली (राज०)